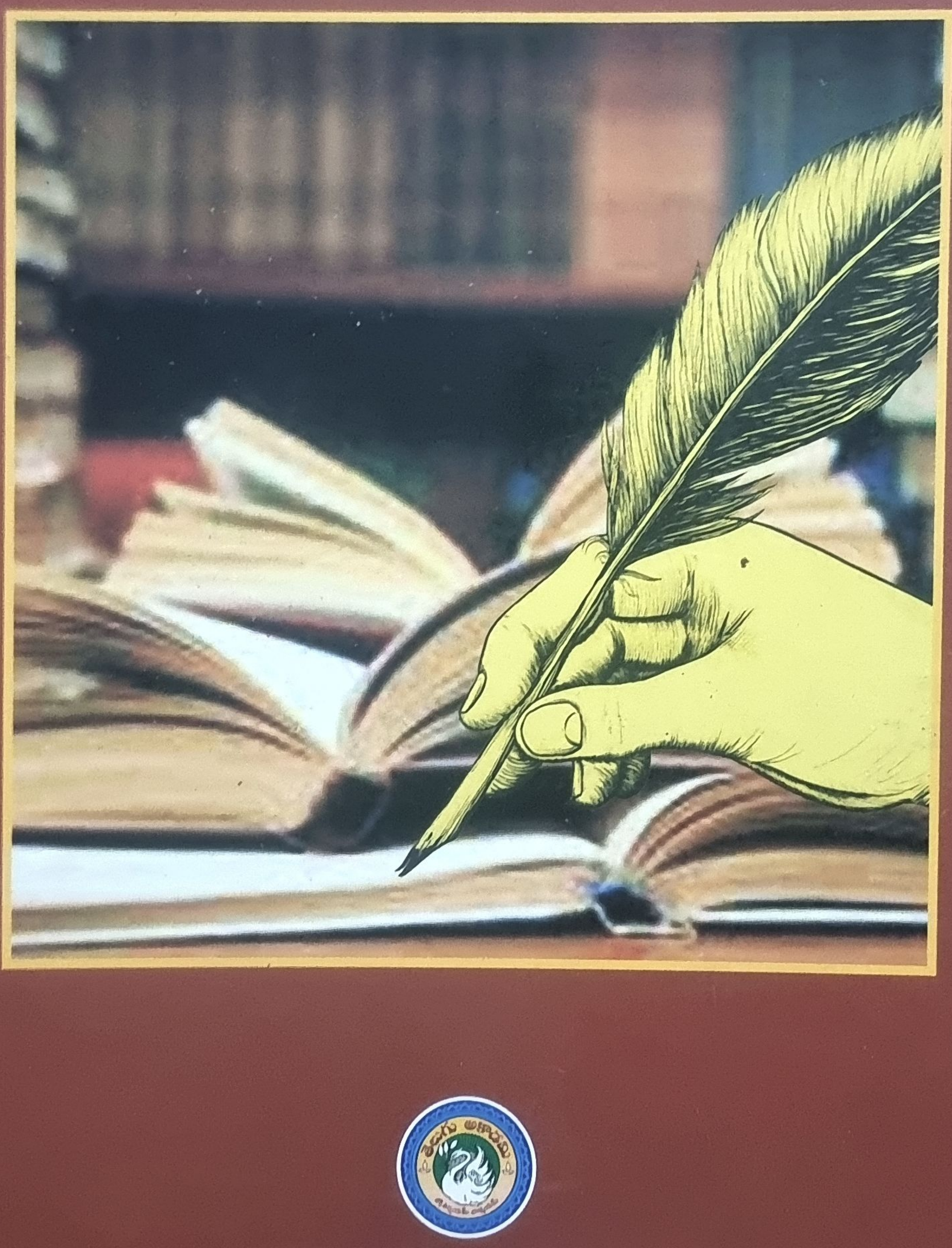
B.A., B.Sc., B.Com., B.B.A.

III rd year

Second Language

हिन्दी
साहित्य संगम



TELUGU AKADEMI

Hyderabad

Foreword

The role played by the Telugu Akademi in stabilizing Telugu Medium at the level of Higher Education since its inception (1968) is well known. The Akademi has rendered needful services by publishing number of Text Books, Reference books, Translation, Popular series, Monographs, Dictionaries, Glossaries, Reading etc., in a short span of time. Many among the above mentioned books were also reprinted as per the demand. A sincere effort is being made to improve the quality of these books by conducting workshops and also with the aid of suggestions given by students, teachers and intellectuals at large.

Akademi has been revising and updating its publications in accordance with the prescribed syllabi as and when necessary.

For the first time the Telangana State Council of Higher Education has introduced IInd language in Degree III[rd] Year in Telangana. They constituted committees with experienced professors for different subjects in order to frame CBCS syllabus that would enlighten the students. With this the students who are interested to enter into Post Graduation in Languages could achieve some knowledge at Under Graduation level itself. Accordingly Telugu Akademi under took the task of preparation of Degree level second language **Hindi** Text Book for III[rd] Year.

Well versed editors and writers are involved in the preparation of this book. We express our thanks to the professors of various universities in state, the editor and authors who have rendered their cooperation in publishing this book.

Every effort has been taken to make this book error free. We welcome constructive suggestions to make this book more comprehensive and standardized.

Director
TeluguAkademi

व्यंग्यपूर्ण शैली में प्रहार किया है। आ... के धर्माडंबर, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता आदि पर कबीर के व्यंग्य बड़े मारक हैं।

कबीरदास के बाद सामाजिक विषमताओं के प्रति व्यंग्य को हथियार ... भारतेंदु हरिश्चंद्र ने, जिनकी रचनाओं में गुलाम भारत की विडंबनापूर्ण परिस्थिति, अंग्रेजी साम्राज्यवाद और उनकी शोषक दृष्टि के प्रति आक्रोश को देखा जा सकता ... भारतेंदु युग के अन्य महत्वपूर्ण व्यंग्यकार बदरीनारायण चौधरी, प्रतापनारायण ..., बालमुकुंद गुप्त आदि हैं।

स्वतंत्रता पूर्व साहित्यकारों में युगीन समस्याओं पर व्यंग्य करने की ... प्रेमचंद में भी बहुत मिलती है। इन्होंने अपनी कहानियों और उपन्यासों में आम ... और कृषक वर्ग की दैनंदिन कठिनाइयों पर करारा व्यंग्य किया है। प्रेमचंद के बाद ... महत्वपूर्ण व्यंग्य रचनाकार हैं- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, पांडेय बेचैन शर्मा 'उग्र', ... राघव आदि। स्वातंत्र्योत्तर व्यंग्य साहित्यकारों में प्रमुख हैं- हरिशंकर परसाई, ... जोशी, श्रीलाल शुक्ल, लतीफ घोंघी, नरेंद्र कोहली, ज्ञान चतुर्वेदी, प्रेम जनमेजय, सूर्यबाला, सुरेश कांत आदि। हरिशंकर परसाई व्यंग्य विधा के प्रतिनिधि रचनाकार ...

समकालीन साहित्यिक परिदृश्य में व्यंग्य का लगातार सृजन हो रहा है। वर्तमान के व्यंग्यकारों में सर्वाधिक चर्चित व्यंग्य विधा के संवर्धन एवं सृजन के क्षेत्र ... प्रेम जनमेजय का विशिष्ट स्थान है। व्यंग्य को एक गंभीर कर्म तथा सुशिक्षित मस्तिष्क के प्रयोजन की विधा मानने वाले प्रेम जनमेजय ने पिछले दो दशकों से 'व्यंग्य यात्रा' के सम्पादन द्वारा व्यंग्य विमर्श का एक सुदृढ़ मंच तैयार किया है। हिंदी व्यंग्य ... विश्वविद्यालय कहे जाने वाले प्रेम जनमेजय की चर्चा के बिना हिंदी व्यंग्य पर बातचीत अधूरी है। सुरेश कांत ने व्यंग्य-जगत को एक दर्जन से अधिक व्यंग्य-संकलनों के साथ-साथ दो अद्भुत व्यंग्य-उपन्यास दिए हैं-'ब से बैंक' और 'जॉब बची सो'। सुशील सिद्धार्थ के पास कमाल की भाषा है जो समृद्ध भी है और बेहद पठनीय भी। 'नारद की चिंता' इनका प्रमुख संग्रह है। लालित्य ललित मौजूदा दौर के महत्वपूर्ण व्यंग्यकारों में स्थान रखते हैं। 'पांडेय जी' नामक पात्र के माध्यम से विसंगतियों पर करारी चोट करने में उन्हें महारथ प्राप्त है। दक्षिण भारत से प्रथम 'व्यंग्य यात्रा रवींद्रनाथ त्यागी सोपान सम्मान' से सम्मानित युवा व सर्वाधिक सक्रिय व्यंग्यकार डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' वर्तमान में सबसे जाना-माना नाम है। उनका 'एक तिनका इक्यावन आँखें'

प्रसिद्ध व्यंग्य संग्रह है। इसी में 'किताबों की अंतिम यात्रा' जैसी प्रसिद्ध रचना है। डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' को तेलंगाना सरकार की हिंदी अकादमी ने 'श्रेष्ठ नवयुवा रचनाकार सम्मान' से सम्मानित किया है। व्यंग्य को सामाजिक सतर्कता के हथियार के रूप में देखा जाता है। वर्तमान के अन्य व्यंग्यकारों में जवाहर चौधरी, डॉ.रमेश चन्द्र खरे. के.पी. सक्सेना, माणिक वर्मा, यशवंत व्यास, सुभाष चंदर, अरविंद तिवारी, अनूप मणि त्रिपाठी, पिलकेंद्र अरोरा, संतोष त्रिवेदी, सुरजीत सिंह, निर्मल गुप्त, मलय जैन, शशिकांत सिंह 'शशि' प्रमुख हैं।

व्यंग्य के तत्व

व्यंग्य विधा के प्रमुख आठ तत्व हैं- 1. विसंगतियों की उपस्थिति, 2. प्रगतिशील व सकारात्मक सोच, 3. नैतिक मूल्यों की रक्षा का गहन चिंतन, 5. पात्रों का चयन, 6. व्यक्ति व समाज का पतन, 7. भाषा शैली, 8. आलोचना आदि।

अन्य विधाएँ

1. डायरी लेखन
2. भेंटवार्ता (साक्षात्कार)
3. यात्रा वृत्तांत
4. रिपोर्ताज
5. आलोचना
6. जीवनी
7. प्रहसन
8. पर्यालोचन
9. गल्प
10. विज्ञान कथा।

Printed, Published & Distributed by
TELUGU AKADEMI
Himayatnagar, Hyderabad
Url : teluguakademi.telangana.gov.in
Email : info-hyd-ta@telangana.gov.in

ISBN 818180751-0
9788181807519